Publication : Samachar Jagat	**Subject : Rajasthan Court's Verdict Welocmed by Consumer Body**
Date of Publish : 11th April 2018	**Edition : Rajasthan**

समाचार जगत

ई-सिगरेट के स्वास्थ्य पर प्रभाव के अध्ययन के फैसले का उपभोक्ताओं ने किया स्वागत

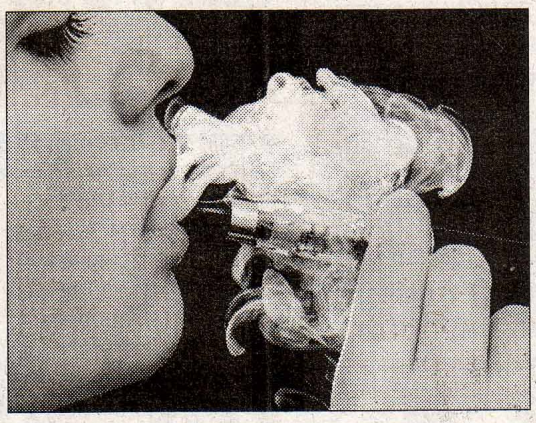

जयपुर। राजस्थान सरकार ने वैपिंग (ई-सिगरेट) के स्वास्थ्य पर असर के आकलन के लिए एक अध्ययन कराने का ऐलान किया है। ई-सिगरेट यूजर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले एक राष्ट्रीय संगठन एसोसिएशन ऑफ वैपर्स इंडिया (एवीआई) ने राज्य सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। राज्य सरकार ने गैर तंबाकू उत्पादों के भविष्य पर कोई फैसला लेने से पहले यह कदम उठाया है। राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री कालीचरण सराफने गुरुवार को राज्य सरकार के इस फैसले की घोषणा की थी। सराफने कहा कि यदि अध्ययन में इसे (ई-सिगरेट) नुकसानदेह पाया जाता है तो राज्य में इस पर प्रतिबंध लगाने से संबंधित दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। एवीआई के निदेशक सम्राट चौधरी ने कहा कि हमारा मानना है कि तंबाकू से होने वाले नुकसान में कमी के वास्ते विज्ञान आधारित सोच से भारत और राज्य में धूम्रपान करने वालों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। हमारा राज्य सरकार से इलेक्ट्रॉनिक निकोटिन डिलिवरी सिस्टम (ईएनडीएस), जिसे इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट के तौर पर भी जाना जाता है, पर नीति तैयार करते समय विज्ञान आधारित तथ्यों को संज्ञान में लेने का अनुरोध है। चौधरी ने कहा कि ई-सिगरेट एक तकनीक विकास है, जिससे तंबाकू उत्पादों के सेवन से होने वाले नुकसान में 95 प्रतिशत तक कमी आती है। उन्होंने कहा कि वैपिंग के विकल्प को अनुमति देना भारत में 12 करोड़ स्मोकर्स के जीवन की रक्षा के लिहाज से अहम होगा। उन्होंने कहा कि अगर ई-सिगरेट जैसे कम जोखिम वाले विकल्पों तक पहुंच से इनकार कर दिया जाता है तो इनमें से आधे स्मोकर्स की जान जाने की संभावनाएं पैदा हो सकती हैं।